मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 203, मुंबई, गुरुवार, 30 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक मुंबई हलचल ®
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

# ठाणे में बड़ी लापरवाही

## एक व्यक्ति को कोविड वैक्सीन की जगह लगाया गया एंटी रैबीज का इंजेक्शन

### एक डॉक्टर और नर्स सस्पेंड

### यूपी में भी सामने आई थी ऐसी लापरवाही

**संवाददाता**

**ठाणे।** कोरोना संक्रमण के खतरे के बीच डॉक्टर्स और नर्सों की लापरवाही भी सामने आती रही हैं। ताजा मामला ठाणे से सामने आया है। यहां मंगलवार को वैक्सीनेशन ड्राइव के दौरान एक व्यक्ति को नर्स ने एंटी रैबीज (कुत्ते के काटने पर लगने वाला इंजेक्शन) का इंजेक्शन लगा दिया। हालांकि, इसकी जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर आरोपी नर्स और इस ड्राइव के इंचार्ज डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

**नर्स को चेक करने चाहिए थे कागज:** मामला सामने आने के बाद अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति के कागजों की जांच करना नर्स की जिम्मेदारी है। नर्स की लापरवाही से व्यक्ति की जान को खतरा पैदा हुआ। कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से नर्स को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति की देखरेख डॉक्टरों की टीम कर रही है।

# महाराष्ट्र में बारिश ने ली 436 लोगों की जान!

## 6 लोग लापता

**मुंबई।** महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार ने राज्यभर में हो रही बारिश को लेकर सरकार के प्रयासों का लेखा जोखा मीडिया के सामने रखा। उन्होंने बताया कि गुलाब चक्रवात की वजह से बीते दो दिनों में महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्से भारी बारिश की चपेट में आ चुके हैं। जिसकी वजह से लाखों हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें चौपट हो चुकी हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

### 16 लोगों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

### मराठवाड़ा और नासिक में हालात हुए बेकाबू, नासिक शहर में एक साल में तीन बार आई बाढ़

### गुलाब चक्रवात से 4 लोगों की मौत

वडेट्टीवार ने बताया कि गुलाब चक्रवात की वजह से अब तक 4 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि बिजली गिरने की वजह से जिन लोगों की मौत हुई है। उन्हें इस सूची में शामिल नहीं किया जाता है। हालांकि उनके परिवारों को भी मुआवजे की रकम दी जाएगी।

## मुंबई: 67 .5 लाख रुपये की कोकीन के साथ दो

# गिरफ्तार

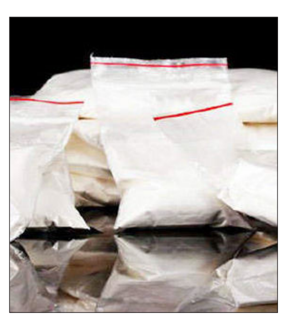

**मुंबई।** मुंबई पुलिस के नारकोटिक्स रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने बांद्रा उपनगरीय इलाके में 67 .5 लाख रुपये की कोकीन रखने के आरोप में तंजानिया के एक नागरिक तथा एक स्थानीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर एएनसी ने तंजानिया के नागरिक याकूब माचो नागालीना (41) को गिरफ्तार किया जो नवी मुंबई के तलोजा में रह रहा था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

## हमारी बात

# अभी सावधानी जरूरी

कोविड टीकाकरण अभियान के आगे बढ़ने के बीच संक्रमण के नए मामलों में गिरावट की खबर यकीनन राहत पहुंचाने वाली है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कल बताया कि करीब छह महीने बाद कोविड-19 के नए मामलों की संख्या 20 हजार से नीचे दर्ज की गई है, और अब देश में संक्रमण के कुल सक्रिय मामले भी तीन लाख से कम रह गए हैं। यह खबर इसलिए भी सुकूनदेह है कि जिस केरल में अभी सबसे अधिक मामले रोजाना आ रहे हैं, वहां भी नए मामलों की संख्या पिछले कुछ दिनों से घट रही है। लेकिन शुरू से न्यूनतम संक्रमण वाले क्षेत्रों में शामिल पूर्वोत्तर के मिजोरम से आ रही खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। महाराष्ट्र और केरल जैसे बड़े प्रदेशों के मुकाबले काफी छोटा मिजोरम आज सर्वाधिक नए मामलों वाले पांच राज्यों में एक है। पिछले कुछ हफ्तों से वहां लगातार मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। विशेषज्ञ आशंका जता चुके हैं कि जिन इलाकों में दूसरी लहर की शुरूआत में कम मामले सामने आए थे, वहां मुमकिन है कि डेल्टा वेरिएंट देर से पहुंचा हो, इसलिए चौकस रहने की जरूरत है। देश लगभग लॉकडाउन पूर्व की स्थिति में लौट चुका है। कुछ सावधानियों, सीमाओं के साथ तमाम गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं और त्योहारी मौसम की शुरूआत के कारण शहरी बाजारों में भी भीड़ लौटने लगी है। इसके बावजूद नए मामलों में गिरावट संतोष की बात है। लेकिन न तो सरकारों को और न ही नागरिकों को यह भूलना चाहिए कि महामारी अभी हमारे बीच बनी हुई है और विश्व स्वास्थ्य संगठन बार-बार आगाह कर रहा है कि इस पर काबू पाने में अभी लंबा वक्त लगेगा। फिलहाल टीकाकरण के जरिये या पूर्व में संक्रमित हो चुके लोगों के प्रतिरोधी क्षमता अर्जित करने से ही उम्मीदें बांधी जा सकती हैं। चूंकि दुनिया की बहुत बड़ी आबादी तक अभी टीके की पहुंच नहीं बन पाई है, ऐसे में मानव समुदाय को लगातार आशंकाओं के बीच ही जीना होगा। जब तक सभी देशों के अधिकतम नागरिक इस वायरस के विरुद्ध प्रतिरोधी क्षमता हासिल नहीं कर लेते, हम इस पर नियंत्रण को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकते। इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता ज्यादा से ज्यादा लोगों के टीकाकरण की है। दशहरा, दिवाली और छठ जैसे बड़े पर्व-त्योहार सामने हैं, इसलिए हमें इस काम में विशेष तेजी लानी पड़ेगी, क्योंकि पूर्ण टीकाकरण वाले लोगों की तादाद देश में अब भी काफी कम है। फिर हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि 18 से कम आयु वर्ग की हमारी पूरी आबादी पूर्णतः टीकारहित है। यही नहीं, पिछले नौ महीनों से देश में टीकाकरण अभियान चल रहा है और अब तक हम सिर्फ पांच दिन एक करोड़ से अधिक लोगों को खुराक दे सके हैं। इनमें से भी दो दिन तो विशेष आयोजन के थे। अमेरिका जैसे देश 65 साल से अधिक आयु के लोगों को बूस्टर खुराक देने लगे हैं। स्वयं राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को बूस्टर टीका लगवाया। ऐसे में, हमें टीकाकरण अभियान को 'इवेंट मैनेजमेंट' के आकर्षण से निकालकर दैनिक धरातल पर उतारने की जरूरत है। यह अच्छी तरह साफ हो चुका है कि हमारी क्षमता एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजाना टीके लगाने की है। इसलिए तीसरी लहर की आशंकाओं को निर्मूल करने के लिए पूर्ण टीकाकरण की ओर हमें तेजी से बढ़ना होगा।

# हटाए गए मुख्यमंत्रियों के बहाने !

**कैप्टेन** अमरिंदर सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद बहुत नाराज हैं और खुल कर अपनी नाराजगी का इजहार भी कर रहे हैं। वे इस बात से बहुत बौखलाए हुए हैं कि उनको कैसे मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। वे दो बार में साढ़े नौ साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहे। सोचें, कांग्रेस के उन मुख्यमंत्रियों के बारे में, जो नौ महीने भी पद पर नहीं रह पाते थे। इसलिए उनको शुक्र मनाना चाहिए कि वे सोनिया और राहुल गांधी के नेतृत्व के समय राज्य के मुख्यमंत्री बने। अगर उससे पहले वे मुख्ययमंत्री बने होते तो शायद नौ महीने भी नहीं रह पाते। आजादी के बाद पंजाब में कांग्रेस ने कुल 17 बार मुख्यमंत्री बनाए और कैप्टेन अमरिंदर सिंह से पहले दिग्गज नेता प्रताप सिंह कैरों और ज्ञानी जैल सिंह के अलावा कोई भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। ऐसा लगभग हर राज्य में हुआ। कांग्रेस के गिने-चुने मुख्यमंत्री ही कार्यकाल पूरा कर पाते थे। इसलिए कैप्टेन को अपने आलाकमान का शुक्रगुजार होना चाहिए। कैप्टेन अमरिंदर सिंह की नाराजगी और आलाकमान पर सार्वजनिक हमले के बीच यह भी तुलना हो रही है कि भाजपा ने पिछले छह महीने में पांच मुख्यमंत्री बदल दिए और किसी की मजाल नहीं हुई कि वे आलाकमान के खिलाफ बोलें। ऐसा पहले कांग्रेस में होता था। कांग्रेस के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ताश के पत्तों की तरह फेंटे जाते थे और कोई सवाल नहीं उठाता था। यह असल में किसी पार्टी के आलाकमान के मजबूत होने का सबूत होता है। इसमें कोई सैद्धांतिक या वैचारिक बात नहीं है। अगर केंद्रीय नेतृत्व मजबूत है तो वह जो चाहे कर सकता है क्योंकि भारत में इसका कोई तय सिद्धांत नहीं है। संविधान में लिखा हुआ है कि विधायकों के बहुमत का समर्थन होने तक कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री रह सकता है। इससे जाहिर है मुख्यमंत्री का चुनाव विधायक करेंगे। लेकिन असल

में यह पार्टी नेतृत्व का विशेषाधिकार होता है कि वह जिसे चाहे उसे मुख्यमंत्री चुने और जब चाहे हटा दे। यहां तक कि जिन नेताओं के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाता है और जनता का वोट लिया जाता है उन्हें भी बीच में हटा दिया जाता है। विजय रुपाणी इसकी मिसाल हैं। भाजपा ने 2017 में उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा था। सवाल है कि जब जनता से विजय रुपाणी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट मांगा गया था तो फिर जनता से राय लिए बगैर कैसे पार्टी नेतृत्व ने उनको हटा दिया? तभी कैप्टेन अमरिंदर सिंह या भाजपा के पांच मुख्यमंत्रियों को बदले जाने के घटनाक्रम के बहाने कुछ जरूरी सवालों पर विचार किया जाना चाहिए और मौजूदा प्रणाली की कमियों को दूर करना चाहिए। सबसे पहले यह विचार हो कि क्या मौजूदा संसदीय प्रणाली में किसी पार्टी को अध्यक्षीय प्रणाली की तरह नेता के नाम की घोषणा करके चुनाव लड़ना चाहिए? इसका जवाब है- कतई नहीं! जब तक संविधान में संशोधन करके अध्यक्षीय प्रणाली नहीं अपना ली जाती है तब तक प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित करके चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। ऐसा करके पार्टियां संसदीय प्रणाली और संविधान की व्यवस्था का मान घटा रही हैं। जब पहले ही मुख्यमंत्री घोषित करके चुनाव लड़ा जाएगा तो फिर क्या उसका विधायक दल का नेता चुना जाना औपचारिकता नहीं रह जाएगी? जब उसे सीधे जनता ने नेता चुन दिया तो फिर विधायक नेता चुनें न चुनें उससे क्या फर्क पड़ता है! विधायक तो खुद उसके नाम से चुनाव जीते होंगे! दूसरा सवाल यह है कि सीधे जनता के वोट से चुने गए किसी नेता को पार्टी आलाकमान कैसे हटा पाएगा? तभी यह समय है कि या तो संविधान में बदलाव करके अध्यक्षीय प्रणाली अपनाई जाए या फिर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री घोषित करके चुनाव लड़ने की प्रथा बंद हो। दूसरा अहम मसला यह है कि क्या राजनीति में रिटायर होने की उम्र तय होनी चाहिए? कैप्टेन अमरिंदर सिंह 80 साल के होने वाले हैं और वे मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने से इतने नाराज हैं कि उन्होंने सोनिया, राहुल और प्रियंका तीनों के खिलाफ मोर्चा खोला और अपनी पुरानी पार्टी के खिलाफ बगावत के लिए तैयार हैं। सोचें, क्या वे इसे अपना अधिकार मानते हैं कि वे जब तक जीवित रहेंगे तब तक पार्टी उनको मुख्यमंत्री बना कर रखे या मुख्यमंत्री पद का इकलौता दावेदार माने? केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने और मोदी व अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद भाजपा में अघोषित रूप से यह नियम बना है कि 75 साल से ऊपर से नेताओं को सरकार या राजनीति में कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। हालांकि इसके कुछ अपवाद भी हैं लेकिन मोटे तौर पर यह नियम लागू है। इस नियम को घोषित रूप से लागू करने का समय है। हर पार्टी को यह तय करना चाहिए कि एक निश्चित उम्र के बाद कोई भी नेता चुनाव नहीं लड़ेगा और सरकार या पार्टी में कोई पद नहीं लेगा। राजनीति और सरकार में नए लोगों को जगह देने और नए विचारों के लिए स्पेस बनाने के लिए यह जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो राजनीति में युवाओं की भागीदारी नहीं बढ़ेगी। ध्यान रहे भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी वाला देश है लेकिन एकाध अपवादों को छोड़ दें तो राजनीति और सरकारों की कमान उन लोगों के हाथ में है, जो पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक में राजनीति करते थे।

# पंजाब: भस्मासुरी राजनीति

**पंजाब** की कांग्रेस में खड़े हुए संकट के फलितार्थ क्या-क्या हो सकते हैं? इस संकट का सबसे पहला संदेश तो यही है कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की योग्यता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। माँ-बेटा और भाई-बहन पार्टी के नेताओं ने सबसे पहले अमरिंदरसिंह को मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। अमरिंदर क्या अब चुप बैठेंगे? वे जो भी निर्णय करें, वे अपने अपमान का बदला लेकर रहेंगे। शीघ्र ही होनेवाले पंजाब के चुनाव में अमरिंदर का जो भी पैंतरा होगा, वह कांग्रेस की काट करेगा।

दूसरा, नए मुख्यमंत्री के लिए चरणसिंह चन्नी की नियुक्ति राजनीतिक दृष्टि से उचित थी, क्योंकि अन्य प्रतिद्वंदी पार्टियां भी अनुसूचित नेताओं को आगे कर रही हैं लेकिन पार्टी अध्यक्ष नवजोतसिंह सिद्धू का इस्तीफा अपने आप में इतनी बड़ी घटना है कि उसने कांग्रेस पार्टी की रही-सही छवि को भी तार-तार कर दिया है सिद्धू ने जो सवाल उठाए हैं, उन्हें गलत नहीं कहा जा सकता। उन्होंने ऐसे मंत्रियों और अफसरों की नियुक्ति पर प्रश्न-चिन्ह खड़े कर दिए हैं, जो अकाली पार्टी के घनघोर समर्थक रहे हैं या जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप रहे हैं। लेकिन

सिद्धू के इस एतराज पर उनका एकदम इस्तीफा दे देना क्या दो बातों का सूचक नहीं है? एक तो सिद्धू अपनी उपेक्षा से अपमानित महसूस कर रहे हैं और दूसरा, वे इतने घमंडी हैं कि उन्होंने अपना असंतोष दिल्ली को बताना भी जरुरी नहीं समझा। पार्टी-अध्यक्ष के नाते वे शायद चाहते थे कि हर नियुक्ति में उनकी राय को लागू किया जाए। यदि ऐसा होता तो मुख्यमंत्री चन्नी रबर की मुहर के अलावा क्या दिखने लगते? चन्नी की नियुक्ति के समय कहा जा रहा था कि वे तो चुनाव तक कामचलाऊ मुख्यमंत्री हैं। चुनाव तो लड़ा जाएगा, सिद्धू के नाम पर और वे ही पक्के मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन उनके इस्तीफे ने कांग्रेस को इतना बड़ा झटका दे दिया है कि उसका चुनाव जीतना मुश्किल हो गया है। अब पंजाब की कांग्रेस कई खेमों में बंट गई है। अब अमरिंदर और सिद्धू के ही दो खेमे नहीं हैं। अब सुनील जाखड़, सुखजिंदर रंधावा और राणा गुरजीतसिंह के खेमे भी अपनी-अपनी तलवार भांजे बिना नहीं रहेंगे। टिकिटों के बंटवारे को लेकर गृहयुद्ध मचेगा। जो भी अब नया कांग्रेस अध्यक्ष बनेगा या सिद्धू यदि फिर लौटेंगे तो यह मानकर चलिए कि उन्हें कांग्रेस के लकवाग्रस्त शरीर को चुनाव तक अपने कंधों पर घसीटना होगा। कांग्रेस के इस अंदरूनी दंगल ने आप पार्टी, भाजपा और अकाली दल की बांछें खिला दी हैं। यदि सिद्धू को वापस लाया जाता है तो चन्नी की स्थिति शून्य हो जाएगी और सिद्धू का इस्तीफा मंजूर होता है तो कांग्रेस मस्तकविहीन शरीर बन जाएगी। पंजाब की इस दुर्घटना से यही निष्कर्ष निकलता है कि कांग्रेस-जैसी महान पार्टी अब भस्मासुर का रूप धारण करती जा रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# बोईसर चिल्हार रोड नगझरी में दो ट्रक कार से हुई भीषण दुर्घटना में दो की मौत, तीन बुरी तरह घायल

## तारापुर एमआईडीसी के उप अभियंता संदीप बड़गे बड़ी भ्रष्ट कारभार के चलते लोगों द्वारा मनुष्य वध की गुन्हा दाखल करने की उठी मांग

**संवाददाता**

**बोईसर।** पालघर जिले का मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय हाइवे से बोईसर तारापुर एम आई डी सी को जाने वाला रास्ता मौत का मंजर बन गया है। बीती रात नगझरी कालेज के सामने दो ट्रकों ने आगे पीछे एक आई ट्वेन्टी कार रौंद कर पचका डाला। कार में सवार पांच लोग बुरी फस गये थे। मनोर पुलिस जेसीबी की मदत से काफी जख्मी हुए लोगो बाहर निकाला, जिनको पास के अधिकारी हेल्प लाइन में भर्ती किया गया। पति पत्नी की हालत नाजुक होने के कारण उनको मुंबई रेफर किया गया। जहाँ पर पति गजानन वड़े 60 व पत्नी छाया वड़े 59 दोनों की दर्दनाक मौत होने पूरे पालघर मातम पसरा हुवा है। वही बाकी तीन घायलो की हालत गम्भीर बताई जा रही है। वही इस घटना के बाद एम आई डी सी अधिकारियों पर लोगों ने नाराजगी व्यक्त किया है साथ ही जिम्मेदार अधिकारी संदीप बड़गे पर मनोर पुलिस से मनुष्य वध जान लेने के जुल्म में गुन्हा दाखल करने की मांग किया है। शासन के लागत से भले सैकड़ो करोड़ का रोड सालों से बन रहा है परन्तु इस रोड पर रात को गाड़ी लेकर आना मौत को दावत देंना जैसा है। लोगों का मानना है बोईसर चिल्हार रोड पर आये दिन लगातार दुर्घटना हो रही है। एम आई डी सी के अधिकारियो के आँख पर पट्टी बंधी हुई है। जिसमे कितने लोगों अपनी

### अपने डेढ़ साल कैरियर में बड़गे की लापरवाही से बोईसर चिल्हार रोड पर दर्जन भर लोगों ने गवाई जान

गवानी पड़ रही है कितनो को हमेशा के लिए विकलांग बना दिया है। बताया जाता है पिछले डेढ़ साल से जबसे तारापुर एम आई डी सी के उप अभियन्ता के पद पर सन्दीप बड़गे ने अपना कारभार सम्भाला है उनके लापरवाही घमंडी अट्यूट्यूट के रवैये से बोईसर चिल्हार रोड पर मानो तो सड़क दुर्घटना की मालिका थमने का नाम नही ले रही है। जिसके चलते एक ताजा आंकड़े के मुताबित दर्जन भर लोगो की सड़क दुर्घटना जान गवानी पड़ी है दर्जन से ज्यादा लोगो अपंग बनाकर घर बैठा दिया है जिसका जिम्मेदार सूट बूट आये उप अभियन्ता सन्दीप बड़गे को ठहराया गया है। जिसके चलते कितने परिवार वालो ने माता पिता को खोया कितनो ने अपने

बेटे को खोया कितनो ने पति खोया है। इन कुछ सालों में बोईसर चिल्हार फाटे हुई मौत के मंजर गवाये जानो लोगो के दिलो को हिलाकर रख दिया है।

आपको बतादे इन सभी दुर्घटनाओं का जिम्मेदार एम आई डी सी के उप अभियन्ता सन्दीप बड़गे को लोगो ने इस लिए जिम्मेदार ठहराया है कि सन्दीप बड़गे अपने पद का गैर वापर करके बोइसर चिल्हार रोड पर मनमानी रवैया अपना जगह जगह पर होटल दुकान पैट्रोल पम्प स्कूल कॉलेज के व्यवसायिकों से हाथ मिलाकर आर्थिक माया जुटाने के चक्कर में उप अभियन्ता सन्दीप बड़गे ने 15 किमी की दूरी बने रास्ते मे अक्सर देखा जाये अधिक तर रात को हादसे में बढोत्तरी देखने को मिली है बोईसर चिल्हार रोड पर लगे डिवाइडर को सन्दीप बड़गे अपने बिना किसी वरिष्ठ अधिकारियों के परमिशन के बगैर व्यवसायिकों से अपने फायदा देखते हुए जगह जगह पर तोड़वा दिया है साथ ही कई जगहों पर अपना जेब गर्म करके मन चाहे स्पीड ब्रेकर लगवाकर लोगो जान के साथ खिलवाड़ किया है। जबकि इस तरह के वन वे हाइवे पर किसी प्रकार नियम नही अब एम आई डी सी के अंदर रोड होने के कारण भ्रष्ट अधिकारी उप अभियन्ता सन्दीप बड़गे खुद का नियम बनाकर लोगो के के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। वही हाल ही इस रोड पर बनाये गए छोटे छोटे ब्रिज का काम वी यू बी कम्पनी को दिया है जिसकी लापरवाही देखने को मिली है ब्रिज से निकले नुकीले सलिया मानो यो मौत का दस्तक दे रही है। जहाँ किसी प्रकार स्ट्रीट लाइट व रेडिएसन नही देखने को मिला हैं जो पहले चमकीले रेडिएशन लगाए थे उसमे भी मलाई खा कर थर्ड क्लास घटिया दर्जे का रेडिएशन लगाया गया है। जिसमें भ्रष्टाचार की बदबू आ रही है। अब देखने है कि भ्रष्ट अधिकारी उप अभियन्ता संदीप बड़गे कार्यकाल में किये काम की खुद पर एम आई डी सी के सी ई ओ डाक्टर अनबलगम एम आई डी सी आकर जांच करे तो सत्य से पर्दा उठ जाएगा। परन्तु खबर यह है कि लोगो से खुद कहते फिरता है सन्दीप बड़गे डाक्टर अंनबलगम ने तारापुर में तैनात किया जिसमें अहम रोल है सी ई ओ साहेब के नाम पर भी यहाँ रोड कॉन्ट्रेक्टर एवं कम्पनियों से जोरदार वसूली करने की चर्चा चल रही है अब देखना डाक्टर अंनबलगम सन्दीप बड़गे पर क्या कार्यवाही करते है जिस पर लोगो निगाहे टिकी हुई है।

# संजय नगर परिसर में चोरों का कहर, एक ही रात में कई दुकानों में और मकानों में की चोरी वारदात

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** एक ही रात में चोरों ने कई दुकानों मैं चोरी करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मामला यह बताया जा रहा है गत 27 सितंबर सोमवार देर रात 2:00 या 3:00 बजे के आसपास चोरों ने केबल के ऑफिस में पतपीढी संस्था में लकड़ी की दुकान हार्डवेयर की दुकान और एक मकान में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हार्डवेयर दुकान के मालिक द्वारा मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने शटर के ताले तोड़कर मेरे दुकान में चोरी की लगभग 30 हजार का सामान मेरी दुकान से चोरों द्वारा चुराया गया केबल के ऑफिस के मालिक द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मेरे ऑफिस में 12 सो रुपए की चोरी चोर द्वारा चोरी की गई और लकड़ी की दुकान में चोरों

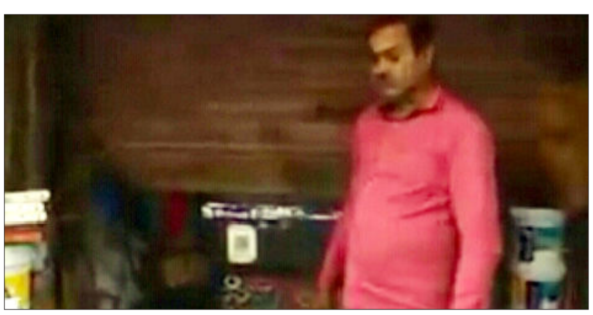

को चुराने के लिए कुछ नहीं मिला तो लकड़िया को जला डाला जिससे लकड़ी के दुकान के मालिक को तकरीबन 25 हजार का नुकसान हुआ पतपेढी संस्था पदाधिकारियों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हमारे यहां किसी प्रकार की पैसों की चोरी नहीं की गई है सिर्फ कागजात को उथल-पुथल कर दिया गया है और एक मकान में भी चोरी का मामला बताया जा रहा है चोरी का खुलासा 28 सितंबर मंगलवार को सुबह के वक्त जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने जा रहे थे तब हुआ स्थानीय रहवासियों द्वारा यह खबर सामने आ रही है चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर इलाके के हो सकते हैं और यह काम नशेड़ीओ का हो सकता है पुलिस ने दुकानों का पंचनामा कर चोरों के विरोध में चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

### ठाणे में बड़ी लापरवाही

ठाणे नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर संदीप मालवी ने बताया कि घटना ठाणे के कलावा इलाके के हेल्थ सेंटर की है। हमने एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगाने वाली नर्स और डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया है। इस पूरे मामले की जांच करवाई जा रही है और जिसे टीका लगाया गया है, उसे डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया है। संदीप मालवी ने बताया कि हेल्थ सेंटर पर राजकुमार यादव कोवीशील्ड वैक्सीन की डोज लेने आए थे, लेकिन गलती से जाकर उस कतार में लग गए जहां एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया जाता है। वहीं, हेल्थ सेंटर की नर्स कीर्ति पोपरे ने राजकुमार यादव के केस पेपर को देखे बिना ही इंजेक्शन लगा दिया। संदीप ने आगे कहा कि टीका लगाने से पहले मरीज के केस पेपर की जांच करना नर्स का फर्ज था। उत्तर प्रदेश के शामली में भी बीते मार्च में ऐसी ही लापरवाही सामने आई थी। यहां 3 महिलाओं को कोरोना की जगह एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगा दिया। इनमें से 70 साल की एक महिला की तबीयत खराब होने पर मामले का खुलासा हुआ। तीनों महिलाओं की उम्र 60 साल से ज्यादा थी।

### महाराष्ट्र में बारिश ने ली 436 लोगों की जान!

वडेट्टीवार के अनुसार इस वर्ष बारिश की वजह से 436 लोगों की मौत हुई है। जिनमें से 196 लोगों की मौत राज्य में बिजली गिरने की वजह से हुई है। मराठवाड़ा के 10 में से 6 जिलों में 180% से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। वडेट्टीवार ने बताया कि इस साल बारिश की वजह से अभी तक 6 लोग लापता हैं, जिनके शव नहीं मिल पाए हैं। वहीं उस्मानाबाद में 16 लोगों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया गया है। अगर इस महीने की बात की जाए तो 71 लोगों की मौत हुई है जबकि 26 लोग जख्मी हुए हैं। बारिश की वजह से हुए नुकसान का पंचनामा पूरे राज्य में किया जा रहा है। कई जगहों पर चार बार और कई जगह पर 8 बार भी नुकसान हुआ है।

### मुंबईः 67.5 लाख रुपये की कोकीन के साथ दो गिरफ्तार

इसके अलावा भिंडी बाजार के निवासी मोहम्मद शाहिद कुरैशी (38) को भी गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि एएनसी की बांद्रा इकाई ने सोमवार को 105 ग्राम कोकीन के साथ कुरैशी को पकड़ा था जो खुद को एक स्थानीय चैनल का पत्रकार बता रहा था। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान कुरैशी ने बताया कि उसने नागालीना से प्रतिबंधित सामग्री खरीदी थी। इसके बाद मंगलवार को नागालीना को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि नागालीना के पास से कम से कम 120 ग्राम कोकीन बरामद किया गया।

## 'हम हैं गली गाइज बॉयज एंड गर्ल्स' फैशन शो का सफलतापूर्वक प्रेस कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

**मुंबई।** महानगर में होने वाले आगामी फैशन शो 'हम हैं गली गाइज बॉयज एंड गर्ल्स' का सफलतापूर्वक शुभारंभ प्रेस क्लब, मुंबई में किया गया। इसमें सभी विधाओं के कलाकारों को मौका मिलेगा साथ ही मुफ्त में पंजीकरण किया जाएगा जिसकी कोई उम्र की सीमा नहीं होगी और न कोई टेक होगा न कोई रीटेक, कोई ऑडिशन भी नहीं। फैशन शो में सिर्फ रैंप वॉक, रियलिटी शो, कोरियोग्राफी, फोटोशूट, मेक ओवर, ग्रूमिंग शामिल रहेगी। इस शो के ऑर्गेनाइजर शम्स राठौड़ और जयंत बगड़ा कच्ची उम्र के बच्चे हैं जो अपनी प्रतिभा व सूझबूझ के दम पर इतने बड़े कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किये हैं और इसे कामयाब बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नदीम शेख, प्रिया बगड़ा, इकबाल वोरा, मारिया क्रिकेट एकेडमी आजाद मैदान के प्रेसिडेंट नितिन तायड़े, वाइस प्रेसीडेंट मुश्ताक चनावाला और प्रिया राठौड़ की उपस्थिति रही। आयोजक के अनुसार यह शो तीन दिन तक चलेगा। इस इवेंट का मैनेजमेंट एवं पीआर फेम मीडिया के संचालक वसीम सिद्दीकी और नजमा शेख द्वारा किया जाएगा।

## ठाणे पुलिस ने आईपीएल मैचों पर सट्टेबाजी के आरोप में तीन लोगो को किया गिरफ्तार

**ठाणे।** महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों पर सट्टा लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (तृतीय जोन), कल्याण, सचिन बालासाहेब गुंजल ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि एक सूचना के आधार पर पुलिस के एक दल ने सोमवार की रात को डोम्बिवली शहर में एक आवासीय परिसर में छापा मारा और तीन आरोपियों को एक मैच पर सट्टा लगाते हुए पकड़ा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके पास से 7.65 लाख रुपये नकद, एक लैपटॉप और 23 मोबाइल फोन जब्त किए। आरोपियों की पहचान रितेश कुंवरप्रकाश श्रीवास्तव (44), कुनाल बबनराव दापोदकर (33) और निखिल फूलचंद कुरैशिया (32) के रूप में की गयी है। अधिकारी ने बताया कि इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और बंबई जुआ रोकथाम कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया है।

# 72 घंटे पूरे, लेकिन नहीं मिला इंसाफ

## आरोपी भाजपा के नेता अब भी घूम रहे खुलेआम

**संवाददाता**

**मेरठ।** मेरठ के तेजगढ़ी चौराहे के समीप स्थित एक साड़ी शोरूम के मालिक पर कुछ दरिंदो ने हमला बोला। मामला दो दिन पहले का है जब तेजगढ़ी चौराहे के समीप स्थित बाजार में एक व्यापारी पर देर रात स्कॉर्पियों पर सवार कुछ बदमाशों ने जानलेवा हमला किया। यह बदमाश डंडे, लाठी और असलाह से लैस थे..व्यापारी पर जानलेवा हमला करने के बाद, बदमाशों ने उनकी सोने की चेन और बटुआ भी लूट लियां। राहत की बात यह है कि इस वारदात में व्यापारी की जान बच गयी। आपको बता दें की यह पूरी घटना वहाँ मौजूद सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। तस्वीरों में गुनाहगारों को आसानी से पहचाना जा सकता है, साथ ही, इस घटना में यह वीडियो एक पुख्ता सबूत है। हालाँकि, इस घटना को 72घंटे भी पूरे हो चुके है, लेकिन पुलिस की तरफ से किसी को भी गिरफ्तार नहीं

किया गया है। आपको बता दें कि दर्ज की गयी पुलिस एफआईआर में जिन लोगों का नाम हैं उनमें गलविया त्यागी, संजय त्यागी, शिखर वर्मा, अखिल गोयल, और श्वेतांग त्यागी का नाम शामिल हैं। आपको बता दें पुलिस एफआईआर में दर्ज ये नाम बीजेपी युवा मोर्चा में पदाधिकारी भी है। मेरठ के मेडिकल थाना में यह एफआईआर दर्ज कराई गयी थी, लेकिन अबतक पुलिस ने इन बदमाशों की कोई सुध नहीं ली है। बता दें की इन्ही लोगों ने फरवरी 2020 में भी इस व्यापारी पर हमला किया था और उस पूरी घंटा की रिपोर्ट भी मेडिकल थाने में दर्ज की गयी थी। लेकिन पुलिस की लापरवाही और ढिलाई के कारण इन लोगों ने फिर से व्यापारी पर हमला कर दिया। साथ ही आरोप यह भी हैं की इन आरोपियों के भाजपा से जुड़े होने की वजह से पुलिस टालने में लगी हुई है। मामले में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ को भी शिकायत भेजी गयी की भाजपा नेताओं के संरक्षण के कारण पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। मामला पुराना होता जा रहा है लेकिन सभी आरोपी अबतक खुले घूम रहे हैं।

## राज्यस्तरीय उत्कृष्ठ युवा मंडल पुरस्कार समारोह राजभवन में किया गया आयोजित

**मुंबई।** मुंबई की जानी- मानी महाराष्ट्र शासन जिल्हा पुरस्कार्थि, सामाजिक कार्यकर्ता और झेनिस्टा इंटरनॅशनल की फाऊंडर श्रीमती अपूर्वा शेल्हाळकर-कांबळे जी नासिक से अतिथी की रूप में राजभवन, मलबार हिल, मुंबई में भारत सरकार द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में उपस्थित हुये। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र संगठन (महाराष्ट्र और गोवा राज्य कार्यालय) द्वारा राज्यस्तरीय उत्कृष्ठ युवा मंडल पुरस्कार समारोह, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई में आयोजित किया गया। इस समारोह में महामहीम राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी जी, महाराष्ट्र के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। उनके साथ ही मशहूर गायक रुपकुमार राठोड जी भी मौजूद थे।

## शिवसेना सांसद भावना गवली से चार अक्तूबर को होगी पूछताछ

**मुंबई।** मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना सांसद भावना गवली पर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा कसता ही जा रहा है। अब ईडी की ओर से उनको समन भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने उन्हें चार अक्तूबर को पूछताछ के लिए दक्षिणी मुंबई स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यायल में तलब किया है। इससे पहले ईडी ने भावना गवली के करीबी सईद खान को भी मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से सईद खान को एक अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। सईद खान पर करोडों रुपये की हेराफेरी का मामला दर्ज है।

### 55 घोड़ों पर सवार 100 से ज्यादा चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में 5 किमी भीतर घुसे

# बातचीत की आड़ में ड्रैगन ने चली कुटिल चाल, उत्तराखंड के बाराहोती में लांघी एलएसी, तोड़ा पुल व अन्य आधारभूत ढांचे

**संवाददाता / नई दिल्ली**

बीते करीब डेढ़ साल से अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में जारी विवाद को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से खत्म करने का राग अलापने वाले चीन ने एक बार फिर अपनी कुटिल चाल चलते हुए उत्तराखंड में एलएसी का उल्लंघन कर भारत के इलाके में जबरन अतिक्रमण किया है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह पूरा मामला पिछले महीने 30 अगस्त का है। जिसमें करीब 100 से ज्यादा चीनी सैनिक 55 घोड़ों पर सवार होकर उत्तराखंड के बाराहोती में एलएसी पर तुन-जुन ला दर्रे को लांघकर भारत के इलाके में 5 किलोमीटर अंदर तक घुस आए। कुल 3 घंटे तक यहां रुके और भारतीयों द्वारा बनाए गए एक पुल समेत कुछ अन्य जरूरी ढांचागत निर्माण को तोड़ दिया। हालांकि इस दौरान दोनों सेनाओं का कोई आमना-सामना या झड़प नहीं हुई। लेकिन सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि बाराहोती की ये घटना एक ऐसे समय में हुई है। जब भारत और चीन की सेनाएं लद्दाख में पिछले करीब डेढ़ साल से अधिक वक्त से जारी एलएसी विवाद को खत्म करने के लिए विवादित जगहों से पीछे हटने में लगी हुई हैं। पेंगांग और गॉग्रा से हुई सेनाओं की वापसी इसी कवायद का ही हिस्सा है। उधर बाराहोती से जुड़े इस इलाके का एक असैन्य क्षेत्र होने के बावजूद चीनी अतिक्रमण की इस ताजा घटना ने देश के सामरिक-सुरक्षा हलकों में चिंता को बढ़ा दिया है। लेकिन भारतीय सेना और अन्य सुरक्षाबल दुश्मन की हर चाल को नाकाम करने के लिए एलएसी के चप्पे-चप्पे पर पूरी मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। भारतीय सेना इसे दोनों देशों के बीच एलएसी को लेकर दशकों से जारी विचारों और सोच के अंतर का परिणाम मान रही है। जबकि चीनी सेना के अतिक्रमण को वो नकार रही है।

### बाराहोती से भड़की थी 1962 के युद्ध की चिंगारी

रक्षा सूत्रों ने कहा कि बाराहोती के जरिए चीन लद्दाख में सेनाओं की वापसी की आड़ में एलएसी पर केंद्रीय सेक्टर के जरिए एक नया मोर्चा खोलना चाहता है। जिससे भारतीय सेना का ध्यान भटकाया जा सके। पिछले कुछ सालों में देखें तो बाराहोती भारत-चीन के बीच तनाव का कोई बहुत बड़ा केंद्र बिंदु नहीं रहा है। हां यहां पर चीनी सेना की अतिक्रमण की कुछ छिटपुट कोशिशें जरुर हुई हैं। अंतिम घटना पिछले जुलाई महीने की है। इसके बावजूद सामरिक लिहाज से यह एलएसी का एक बेहद संवेदनशील इलाका माना जाता है। क्योंकि इसी जगह पर चीनियों ने वर्ष 1954 में पहली बार एलएसी पर अतिक्रमण किया था। जिसका बाद में एलएसी के अन्य क्षेत्रों में विस्तार होते-होते अंत में भारत और चीन के बीच 1962 का युद्ध हुआ।

### केंद्रीय सेक्टर में बढ़ाई गई सैन्य तैनाती

चीनी सैनिकों के अतिक्रमण की इस घटना के बारे में स्थानीय लोगों ने सेना और आईटीबीपी को सूचना दी थी। जिसके बाद पड़ताल के लिए भारतीय सैन्य टुकड़ी बाराहोती पहुंची थी। लेकिन तक तक चीनी सैनिक वापस जा चुके थे और उन्होंने बाराहोती के पास चारागाह वाले अपनी मौजूदगी के इलाके को पूरी तरह से खाली कर दिया था। यहां बता दें कि भारत चीन के साथ जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक कुल करीब 3 हजार 500 किमी. से अधिक लंबी सीमा यानि एलएसी को साझा करता है। इसमें उत्तराखंड में एलएसी पर कुल करीब 350 किलोमीटर लंबी सीमा की निगरानी की जिम्मेदारी आईटीबीपी संभाल रही है। पहले भी चीनी सेना बाराहोती में एलएसी का उल्लंघन कर चुकी है। जिसके बाद केंद्रीय सेक्टर में एलएसी पर अतिरिक्त फौज की तैनाती भी की गई है।

### 13वीं सैन्य बैठक का इंतजार

पिछले साल अप्रैल के अंत और मई के आगाज के साथ पूर्वी लद्दाख में एलएसी विवाद की शुरूआत भी चीन की सेना के जबरन अतिक्रमण के साथ ही हुई थी। इसमें 15 जून 2020 को गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में भारतीय सेना के 20 रणबांकुरे शहीद हो गए थे और चीन के 40 सैनिक मारे गए थे। लेकिन आज तक ड्रैगन ने अपने कुल मारे गए सैनिकों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी दुनिया के सामने नहीं रखी है। एलएसी विवाद को सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच अब तक कुल 12 दौर की सैन्य और कई असैन्य बैठकें हो चुकी हैं। लेकिन इनका नतीजा केवल यही निकला है कि पेंगांग और गॉग्रा जैसे विवादित इलाकों से ही सेनाओं की वापसी हुई है। जबकि हॉट-स्प्रिंग, देपसांग-डीबीओ और डेमचौक में हालात अभी भी तनावपूर्ण ही बने हुए हैं। अब सबकी निगाहें 13वें दौर की सैन्य कमांडरों की बैठक पर टिकीं हुई हैं।

### *बाराहोती से 70 किमी. दूर बनाया सैन्य ठिकाना*

*उधर ओपन सोर्स इंटेलिजेंस अनैलिस्ट डैट्रेस्फा द्वारा जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों से यह जानकारी मिली है कि चीन ने बाराहोती में एलएसी पार अपने इलाके में करीब 70 किलोमीटर दूर एक नया सैन्य ठिकाना भी बना लिया है। समुद्रतल से करीब 4 हजार मीटर ऊपर बनाया गया यह सैन्य ठिकाना ड्रैगन ने भारत और नेपाल के ट्राइजंक्शन पर बनाया है। इस इलाके में चीन ने निर्माण कार्य 2019 में शुरू किया था। इसी तर्ज पर उसने लद्दाख और अरुणाचल में एलएसी के अपने सैन्य निर्माण को तेजी के साथ मजबूत किया है। जिसमें कई एयरबेस, हवाई पट्टियां और पीएलए सैनिकों के रहने के लिए बंकर और सेल्टर बनाए गए हैं।*

## 2 बड़ी मस्जिदों में 600 महिलाओं को मिलेगी नौकरी

**सऊदी अरब।** महिला सशक्तिकरण की दिशा में सऊदी अरब ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हरम प्रेसीडेंसी में 600 सऊदी अरब की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। सभी महिलाओं को दो मस्जिदों में अलग-अंलग कार्य दिए जाएंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दो पवित्र मस्जिदों के जनरल प्रेसीडेंसी ने बताया कि अबतक अपनी एजेंसियों या सहायक एजेंसियों की की मदद से 600 महिला कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। इन प्रशिक्षित महिलाओं को महिला विकास मामलों के उपाध्यक्ष अल-अनौद अल-अबौद के नेतृत्व में 310 महिलाओं को रोजगार भी दिया जा चुका है। महिला विकास मामलों की एजेंसी ने इन महिलाओं को अलग-अलग कार्यों में लगाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कमेलिया अल-दादी के नेतृत्व में करीब 200 महिलाएं बौद्धिक और मार्गदर्शन मामलों की एजेंसी के लिए काम कर रही हैं जबकि बाकी के प्रशिक्षित महिला प्रशासनिक और सेवा मामलों की एजेंसी में अपनी सेवा दे रही हैं।

## बुलढाणा हलचल

# भारी बारिश से हुए नुकसान का तुरंत पंचनामा करें: पालकमंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** विगत दो दिनोंजिले के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। इस मूसलाधार बारिश के कारण जिले में नदियां और नालों में बाढ आई जिस से कई किसानों के खेत और घरों में पानी भर गया है। साथ ही कहीं-ईलाकों में मकान भी गिर गए हैं। इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा है। इस नुकसान की तुरंत पंचनामा होनी चाहिए,ऐसा आदेश पालकमंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने दिए है। जिले की पनगंगा समेत अन्य नदियों में बाढ आ गई है। नतीजतन, नदी के किनारे के कुछ गांव प्रभावित हुए हैं। इस पृष्ठभूमि में पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने अधिकारियों से नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने पंचनामा को तुरंत पूरा करने और प्रभावित नागरिकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के भी निर्देश दिए। जिले में आज सुबह 8 बजे तक लिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, बुलडाना में 88.8 मिली, रायपुर में 95.5, पड़ली में 89.5, धाड़ में 75.5,

सखली में 112.8, देउलघाट में 112, चिखली तालुका में चँधाई में 65.3, नंदुरा तालुका में निमगाँव में 67.3 और मोतला तालुका के धा.बढे 70.8 मिली ईस तरह बारिश दर्ज की गई है। साथ ही यदि प्रभावित किसानों ने फसल बीमा लिया है तो वे तत्काल फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर, एप, संबंधित बैंक शाखा, नजदीकी कृषि विभाग के कार्यालय को सूचित करें। ताकि फसल बीमा कंपनी किसानों के नुकसान पर संज्ञान ले और पंचनामा कराकर किसानों की मदद करे। इसलिए प्रभावित किसानों को तुरंत फसल बीमा कंपनी को नुकसान की सूचना देनी चाहिए,ऐसी अपील संरक्षक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने भी की है।कुछ नागरिकों के घर भी गिर गए हैं। जिस से संसार उजळ गए। ऐसे प्रभावित नागरिकों की तुरंत मदद की जानी चाहिए। बिजली या बाढ़ के मृत अंत हो गई।प्रभावित किसानों की भी मदद करनी होगी। ऐसा आदेश पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने भी दिया है।

# बुलडाणा ज़िले में बारिश ने मचाई तबाही

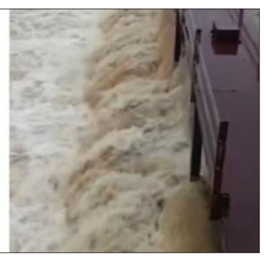

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** जिले में सोमवार रात से लगातार बारिश हो रही है। बारिश ने जनजीवन अस्त - व्यस्त कर दिया है और सोयाबीन की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। सोमवार रात से जिले में हर जगह भारी बारिश हुई है। इस बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है। नदी नाले भी उफन कर बह रहे हैं। अभी सोयाबीन की कटाई का मौसम है। इसलिए जहां किसानों ने सोयाबीन की फसल की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं पिछले एक सप्ताह से बारिश हो रही है, ज़िला समेत शहर के आस - पास बसे कई गांव का संपर्क टूट गया है। नांद्राकोळी,सागवन,कोलवड,पाडळी, देवऊळघाट, ज़िले कई गांवो में बाढ़ के पानी ने हाहाकार मचा रखा है। पैनगंगा और येगांव नदी किनारे बसे गांव तथा बस्तियों के लोगों को अलर्ट किया गया है। जिले की तीन बड़ी और छह मध्यम परियोजनाओं में से नलगंगा और मूस परियोजनाओं को छोड़कर, आठ अन्य परियोजनाएं ओवरफ्लो हो गई हैं। नतीजतन, रब्बी सिंचाई का सवाल सुलझाया गया है। बुलडाना जिले में सोमवार शाम 7 बजे से लगातार बारिश हो रही है और मंगलवार की देर रात तक जारी रही। जिले में पिछले 24 घंटे में मंगलवार सुबह आठ बजे तक औसतन 36.2 मिमी बारिश हुई। अनुमान है कि नौ तालुकों में भारी बारिश के कारण सैकड़ों हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। मानसून के अंतिम चरण में आई इस बारिश के कारण जिले की औसत वर्षा 5.43 प्रतिशत है। जिले में औसत वार्षिक वर्षा 761.6 मिमी है। इसकी तुलना में अब तक 726.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है।

**दीवार दिवार ढहने से वृद्ध की मौत**

सिंदखेड राजा तालुका के पांगरीकेट के एक बुजुर्ग व्यक्ति की 26 सितंबर की शाम को उसके घर के उसके शरीर पर टिन पत्थर गिरने से मौत हो गई। मृतक वृद्ध का नाम माणिकराव साडु गवैस है। पिछले दस दिनों से लगातार बारिश हो रही है। 26 सितंबर को माणिकराव सद्गवई अपने घर के सामने में बैठे थे।लगातार अचानक शाम को करीब साढ़े पांच बजे दगड माणिकराव सदु गवई के शरीर पर घर के टीन पत्थर ढह गए।सीने पर पत्थर लगने के बाद उन्हें मेहकर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। बारिश के कारण लकड़ी सड़ गई थी।

**बाढ़ में बहने वाला व्यक्ती अभी भी लापता:** जिले में 27 सितंबर की रात से हो रही बारिश से नदियों में बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में नंदकोली के दो लोग 27 सितंबर की रात को बाढ मे बह गए थे। ईन मे से राहुल दशरथ चौधरी (25) कल सुबह बबूल का पेड़ पकड़े हुए पाए गए लेकिन उनके साथी भगवान लक्ष्मण गोरे (55) अभी भी लापता हैं। खेत के पास नाले से गुजरते समय दोनों बह गए। उसकी मोटरसाइकिल नाले के किनारे मिली थी। राहुल दशरथ चौधरी की तलाश के दौरान नागरिकों को पता चला। उसकी मोटरसाइकिल नाले के किनारे मिली थी। उसके बाद लोगों ने तलाशी ली तो उन्हें राहुल दशरथ चौधरी नाम का युवक मिला, जो पूरी रात बारिश में भीगता रहा।

## बुलंदशहर हलचल

# रंगरेज समाज का उत्थान शिक्षा और समाज सेवा में है: हाजी मुनीर रंगरेज

**संवाददाता/अरमान उल हक**

**बुलंदशहर।** रंगरेज फाउन्डेशन ऑफ इंडिया की एक मीटिंग उत्तर प्रदेश के जनपद औरंगाबाद शहर में जनाब हाजी नूर हसन रंगरेज साहब के दौलत खाने पर मुनआकिद हुई जिसमें रंगरेज बिरादरी की फलाह और बेदारि के लिए बुजुर्गों की विरासत और नौजवान रंगरेज मोजुं पर बात हुई। मीटिंग में मौजूद सभी सदस्यों ने एकमत होकर रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सदस्यता ग्रहण की। मीटिंग की अध्यक्षता आली जनाब हाजी अब्दुल कदीर रंगरेज साहब ने की। और मुख्य अतिथि रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष आली जनाब इशरत अली रंगरेज राष्ट्रीय सरपरस्त हाजी मुनीर अहमद रंगरेज फिरोजाबादी, हाजी अल्लाह रक्खा साहब लोनी सरपरस्त उत्तर प्रदेश मौजूद रहे, मीटिंग को संबोधित करते हुए। हाजी मुनीरअहमद रंगरेज ने शिक्षा और समाज के एक जुट होने पर बल दिया। उन्होंने कहा रंगरेज समाज का उत्थान शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा करने में है, हमें और हमारे युवा साथियों को शिक्षा ग्रहण करते समय भी सेवा भाव मन में रखना चाहिए हमें यह दृढ़ निश्चय करना चाहिए कि प्रतिदिन कम से कम एक व्यक्ति की सेवा जरूर की जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष इशरत अली रंगरेज ने रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया का विस्तार किया और लोगों को संगठन सदस्यता ग्रहण कराई। उत्तर प्रदेश प्रभारी आली जनाब नईम रंगरेज दादरी ने समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करके एक अच्छा रंगरेज समाज बनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। नईम रंगरेज ने कहा हमें दहेज के बदले में एक शिक्षित वधू का चुनाव करना चाहिए। शुएब रंगरेज (दिल्ली प्रदेश महासचिव), हाजी इल्यास साहब गाजियाबाद और हाजी नौशाद साहब उपाध्यक्ष यू पी हाजी असलम साहब कासगंज,कफील अहमद साहब (आगरा मंडल अध्यक्ष) अरशद अली रंगरेज मेरठ, दानिश एडवोकेट (जिला अध्यक्ष बुलंद शहर) इरशाद रंगरेज दादरी मेहमान मौजूद रहे। मीटिंग में मौजूद पहलवान नसीर अहमद रंगरेज औरंगाबादी, फतेह हसन जाकिर रंगरेज आबिद रंगरेज जावेद रंगरेज और बिरादरी के दीगर बुजुर्ग और नौजवान बड़ी तादाद में मौजूद रहे।

## राजस्थान हलचल

# मो. इरफान पठान को वार्ड संख्या 42 का अध्यक्ष मनोनीत किया

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**जोधपुर।** मारवाड़ शेख सैयद मूगल पठान जिला विकास समिति के जिला अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने बताया की आज कोम मे नोजवानो को कोम की खिदमत करने ईछा को देखते हूए जोघपुर के तमाम वार्ड मे अध्यक्ष घोषित किए जा रहे हे जिसके चलते मो.इरफान पठान को भी वार्ड संख्या 42 का अध्यक्ष घोषित किया ओर इरफान को अपनी वार्ड कार्यकारिणी 15 दिवस के अंदर घोषित करने को कहा यह पद इनकी कार्यशैली मे रूचि को देखते हूए दिया। पद गहन मे ये रहे शामिल उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, मो. शोएब, अजीज पठान, उस्ताद शफी, नदीम बक्ष, अशरफ पठान, अनवर हुसेन,मो. रईस, बिलाल खान मो, जावेद, आमीन खान इरफान पठान अयूब खान, साकिर शेख, मो. एजाज, फेजान बक्ष।

## यूपी हलचल

# नेवादा में एक दिवसीय विधानसभा शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**कौशांबी।** उत्तर प्रदेश आगामी विधानसभा चुनाव 2022 से पहले बहुजन मुक्ति पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टिय ने कमर कस ली है। काशी गेस्ट हाउस ब्लाक नेवादा में एक दिवसीय विधानसभा शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया चायल विधानसभा के सभी सम्मानित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं प्रदेश में बैठकों का दौर शुरू हो गया। इसी बीच बीते दिनों बहुजन मुक्ति पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष माननीय दानिश अली वं महेंद्र कुमार कुशवाहा प्रदेश महासचिव अध्यक्ष,लालता प्रसाद फौजी प्रदेश प्रभारी, कौशलेंद्र सिंह पटेल मंडल महासचिव प्रयागराज वं उमेश कुमार पाल यूथ मंडल अध्यक्ष प्रयागराज वं अलकमा हाशमी मंडल महासचिव प्रयागराज,मोहम्मद अहमद जिलाध्यक्ष कौशांबी कोठे शीर्ष नेतृत्व में बैठक ली। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और जनसंवाद को बढ़ाने के साथ 2022 चुनाव की तैयारियां को देखते हुए नए नवाचार किए गए हैं। आपको बता दें काशीगेस्टहाउसब्लॉक्नेवादा ,तहसील चायल ज़िला कौशांबी में बहुजन मुक्ति पार्टी चायल विधानसभा 253 में दानिश अली बड़े मजबूत प्रत्याशी के रूप में दिखाई दे रहे है।पिछले 5 साल से लगातार या अपने क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

# योगी सरकार साफ सफाई के बड़े-बड़े वादे झूठे, प्रयागराज गंगा नदी संगम घाट के किनारे सड़ रहे हैं गाय

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**प्रयागराज।** संगम में बहती गाय की लाश को नोचते खाते हुए कौवे दिखे। बदबू की भरमार गंगा को बचाने के लिए कई योजनाएं वर्षों से चल रही हैं, लेकिन गंगा साफ होने के बजाए और भी ज्यादा प्रदूषित होती जा रही है। बदबू की भरमार अपनी किस्मत पर रोती गायें सरकार से पूछती हमारा क्या कसूर कम से कम तड़पने से अच्छा है एक ही बार में मर जाना जहां सरकार साफ सफाई की बात करती है गंगा जी की लेकिन गंगा का दुर्भाग्य है सफाई तो नहीं लेकिन बहती हुई लाश गाय की देखी जा सकती है।वही संगम तट पर आए तीर्थयात्रियों को नहाते वक्त बदबू का करना पड़ रहा सामना। जहां एक ओर गौशाला में भी गाय भूखी प्यासी तड़प तड़प कर मर रही।थोड़ी देर के लिए तो गंगा नदी किनारे खड़े लोगों के लिए यह नजारा किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

# Best Honey Face Mask
# जो लाए त्वचा में गजब का निखार

शहद का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। यह सेहत के लिए तो फायदेमंद होता ही है, इसके साथ ही यह त्वचा को निखारने के लिए भी बहुत फायदेमंद है। सभी महिलाएं अपनी स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए मंहगे से मंहगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं जिससे कई बार नुकसान भी हो जाता है। ऐसे में शहद को फेस पैक के तौर पर यूज करके त्वचा की रंगत को निखारा जा सकता है। आइए जानिए कैसे इसका इस्तेमाल किया जाए।

**1. शहद और नमक**

शहद में नमक मिलाकर इसे चेहरे पर स्क्रब की तरह इस्तेमाल करें और कुछ देर लगाने के बाद चेहरे को पानी से साफ करें। यह मिश्रण त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और निखार लाता है। इसके अलावा नमक चेहरे के दाग-धब्बों को साफ करने का काम करता है।

**2. शहद और नींबू**

धूप की वजह से त्वचा पर टैनिंग की समस्या हो जाती है और रूखापन आ जाता है। ऐसे में शहद और नींबू से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से फायदा होता है। 1 चम्मच शहद में 1 नींबू का रस डालकर मिश्रण तैयार करें और इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद ठंडे पानी से त्वचा को धो लें। नींबू में मौजूद विटामिन सी स्किन में गजब का निखारा लाता है।

**3. शहद, बेसन और हल्दी**

बेसन में हल्दी और पानी डालकर तो चेहरे पर अक्सर लगाया होगा लेकिन इस बार इसमें पानी की जगह शहद मिलाकर त्वचा पर ट्राई करें। इसके लिए 1 बड़े चम्मच बेसन में 1 चम्मच शहद और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस फेस पैक को पूरे चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस पैक का इस्तेमाल करने से त्वचा की रंगत खिल उठती है।

**4. शहद और सेब का सिरका**

इसके लिए 1 चम्मच सिरका और बराबर मात्रा में शहद लेकर मिक्स करें। अब इसे चेहरे पर अच्छी तरह लगाएं और 15 मिनट के बाद पानी से साफ करें। सेब के सिरके में मौजूद विटामिन सी त्वचा को निखारने और कोमल बनाने में मदद करता है।

**5. शहद और चीनी**

इस फेस पैक को बनाने के लिए 1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी का घोल मिलाकर पैक तैयार करें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और अच्छे से मसाज करें। 20 मिनट लगाने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

## बाथ साल्ट से नहाने के 5 चौंकाने वाले फायदे

बाथ साल्ट से स्नान करना हमारी सेहत के बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इसमें खनिज और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में शामिल होते हैं। यह हमारे शरीर को तनावमुक्त रखने, अच्छी नींद लेने और ब्लड सकुर्लेशन को सही रखने में मदद करता है। बाथ साल्ट से हमारा मतलब यह नहीं कि आप सच में नमक से स्नान करें। बल्कि यह एक ऐसा मिश्रण है, जिसमें मुख्य रूप से मैग्नीशियम और सल्फर जैसे खनिज होते हैं। इसके कई चिकित्सीय लाभ भी हैं। नहाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बाथ साल्ट जैसे कि एपसॉम साल्ट, डेड सी सॉल्ट और हिमालय पिंक सॉल्ट कई तरह की बीमारियों का इलाज करने में मदद करता है। अधिक लाभ के लिए आप नमक से स्नान करने के साथ सुगन्धित तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। आईए जानते हैं एपसॉम नमक हमारे शरीर के लिए क्यों फायदेमंद है।

पढ़े क्या हैं इसके फायदे:-

**- शरीर को रिलेक्स करने में**

एपसॉम नमक का सबसे बड़ा गुण यह है कि इससे शरीर को रिलेक्स करने में मदद मिलती है। इसकी वजह है इसमें मौजूद मैग्नीशियम की प्रचुर मात्रा, जो मांसपेशियों में रक्त परिसंचरण को बढ़ाकर शरीर को रिलेक्स करती है। यह ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है और ब्लड प्रैशर को नियंत्रित रखता है। गर्म पानी और एपसॉम नमक के साथ स्नान करने से मांसपेशियों को दर्द से राहत मिलती है। यही वजह है कि वर्कआउट के बाद इसे जरूरी बताया जाता है।

**- बेहतर डिटॉक्स**

एपसॉम नमक का इस्तेमाल डिटॉक्स उपचार में भी किया जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ(टॉक्सिन) निकालने का बेहतर तरीका है। गर्म पानी, एपसॉम नमक और आपके पसंदीदा सुगन्धित तेल की कुछ बूंदें छिद्रों से टॉक्सिन निकालने में मदद करती है।

**- कोशिकाओं का रखरखाव**

एपसॉम नमक शरीर में एंजाइमिक कार्यों में भी सहायता करता है। शरीर में कोशिकाओं के रखरखाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह

कोशिकाओं के भीतर रासायनिक प्रतिक्रियाओं की दर बढ़ाते हैं।

**- कब्ज से राहत**

यह कब्ज से राहत प्रदान करता है। यदि आम भाषा में कहें तो यह यह आंत्र में पानी की मात्रा को बढ़ाता है।

**- हार्मोन रेगुलेटर**

मैग्नेशियम के और भी कई फायदे है। यह अच्छी नींद लेने, दिल की धड़कन व ब्लड शुगर और हार्मोन को नियंत्रित रखने में मददगार है।

## ब्यूटी के लिए महंगे ट्रीटमेंट नहीं, अपनाएं ये सस्ते टिप्स

आए दिन ब्यूटी से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों का सामना तो हर किसी को करना पड़ता है। धूल-मिट्टी और धूप की वजह से चेहरे पर डलनेस, काले धब्बे, और कील मुंहासे होने शुरू हो जाते हैं जो खूबसूरती के रास्ते में रोड़े का काम करते हैं। इन सबसे पीछा छुड़वाने के लिए लोग फेसवॉश, क्रीम, स्क्रब व अन्य कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेते हैं। खासकर लड़कियां लेकिन अगर आपको इन सबका हल कम पैसों में घर बैठे बिठाए मिले तो बाहर पैसे खर्च करने का क्या फायदा। आज हम आपको असरदार टिप्स बताते हैं जो आपके बहुत काम आएंगे।

**1. स्किन बनेगी ग्लोइंग**

स्किन से जुडी परेशानियों के लिए महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की बजाए अपनाएं ये होममेड तरीके। जिसके लिए आपको ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने होंगे।

**गुलाब जल**

एक 100 मि.ली. कीबोतल में पानी के साथ 10-15 गुलाब के फुल की पंखुडियां डालकर 36 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इसमें 1 बूंद अल्कोहल की डालकर फेस पर लगाएं। इसे नहाने के बाद और रात को सोने से पहले इस्तेमाल करें।

**नींबू**

एक कप गर्म पानी में नींबू के बारीक छिलके डालकर दिन में दो बार पीएं। इससे स्किन डिटॉक्स हो जाती है। चेहरा कमाल का ग्लो करेंगा।

**शहद और दालचीनी**

इन दोनों को मिलाकर पैक तैयार कर लें और इसे 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। चेहरे की नमी बरकरार रहेगी। दाग-धब्बों से छुटकारा भी मिलेगा।

**एप्पल साइडर विनेगर**

पानी में एप्पल साइडर विनेगर की 2 बूंद डालकर कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं। इससे धूप से होने वाली टेनिंग व डेड स्किन दूर हो जाएगी।

**2. झड़ते-गिरते बाल होंगे लंबे और घने**

टूटते,झड़ते और बेजान बालों से परेशान हैं तो घरेलू उपाय अपना कर आप जल्दी इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

**प्याज,लहसून और नींबू**

इन सबका ताजा रस निकाल कर मिक्स कर लें और बालों में लगाएं। इसे 20 मिनट बाद धो लें।

**गाजर और नारियल का दूध**

इन दोनों को मिलाकर बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें। बाल झड़ने बंद हो जाएंगे।

**एलोवीरा**

एलोवीरा जैल को पानी के साथ मिलाकर 10 मिनट के लिए बालों की जड़ों पर मसाज करें और पानी से धो लें।

**चुकंदर**

पानी में चुकंदर को डालकर 10 मिनट तक उबाल लें और इसे ठंडा होने दें। इस पानी से बालों की मसाज करें। आप इसे हफ्ते में 2-3 बार भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

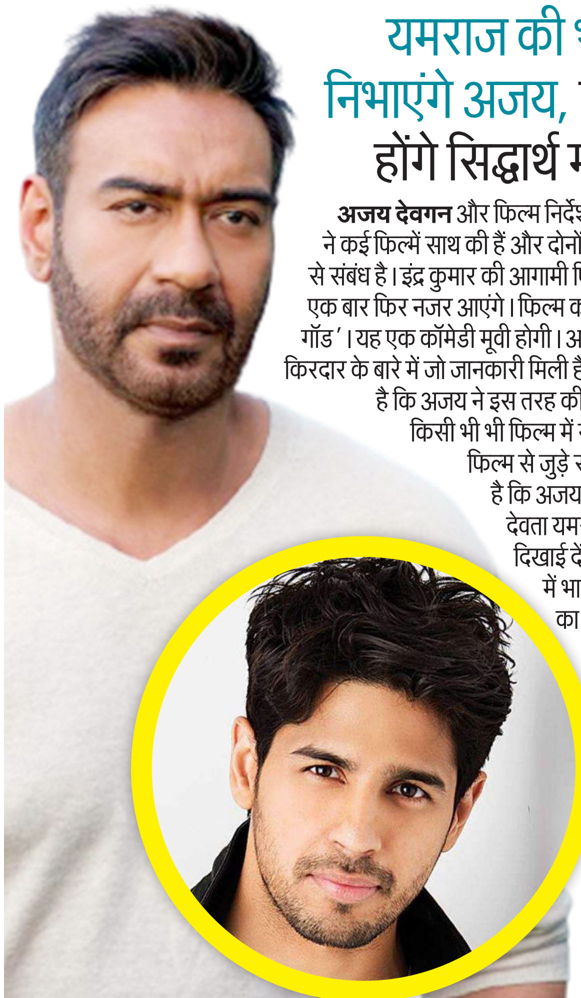

# यमराज की भूमिका निभाएंगे अजय, साथ में होंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

**अजय देवगन** और फिल्म निर्देशक इंद्र कुमार ने कई फिल्में साथ की हैं और दोनों के बीच बरसों से संबंध है। इंद्र कुमार की आगामी फिल्म में अजय एक बार फिर नजर आएंगे। फिल्म का नाम है 'थैंक गॉड'। यह एक कॉमेडी मूवी होगी। अजय देवगन के किरदार के बारे में जो जानकारी मिली है उससे जाहिर है कि अजय ने इस तरह की भूमिका पहले किसी भी भी फिल्म में नहीं निभाई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अजय इसमें मृत्यु के देवता यमराज के रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म में भारी वीएफएक्स का उपयोग होगा। स्वर्ग-नर्क दिखाना होगा। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और 2022 के मध्य तक इसे रिलीज किया जाएगा।

# 'गणपथ' में टाइगर ऑफ और कृति सेनन संग नजर आएंगी एली

**टाइगर श्रॉफ** और कृति सेनन ने फिल्म 'हीरोपंती' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू की थी। अब टाइगर और कृति एक बार फिर से साथ में ऐक्शन से भरपूर फिल्म 'गणपत' में नजर आएंगे। फिल्म में कृति के टीम में शामिल होने की घोषणा के बाद से ही फिल्म की दूसरी फीमेल लीड ऐक्ट्रेस को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया था। जहां नोरा फतेही और नूपुर सेनन जैसे नामों की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब इस किरदार के लिए एली अवराम को फाइनल कर लिया गया है। खबर के मुताबिक एली अवराम 'गणपथ' में एक अहम भूमिका नजर आएंगी। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अक्टूबर महीने से लंदन में शुरू होगी। एली अपने को- ऐक्ट्रेस और ऐक्टर कृति और टाइगर की तरह फिल्म में एक अलग लुक में नजर आएंगी। फिल्म दो-भाग वाली फ्रेंचाइजी है और 2030 से 2040 तक गणपत की जिंदगी 10 सालों में बदल जाती है।

# ईशा गुप्ता को बचपन में बुलाते थे 'काली मां'

**बॉलिवुड** ऐक्ट्रेस ईशा गुप्ता हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं। भले ही ईशा कितनी भी आकर्षक दिखती हों मगर उन्हें अपने सांवले रंग के कारण काफी रिजेक्शन झेलना पड़ा है। हालांकि ईशा गुप्ता को अपने रंग से कोई दिक्कत नहीं है मगर वह समाज में फैले इस भ्रम से सहमत नहीं है कि गोरी लड़कियां ही खूबसूरत हो सकती हैं। ईशा गुप्ता को फिल्म इंडस्ट्री में हमेशा उनके सांवले रंग के लिए टोका जाता रहा है। उन्होंने कहा, जब मैं ऐक्टर बन गई और मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई तो मुझे याद है कि जब भी मैं मीटिंग या ऑडिशंस के लिए जाती थी तो लोग कहते थे- ओह, तुम्हें अपना रंग हल्का करना चाहिए या तुम वो इंजेक्शन ले लो, जोकि बहुत महंगा आता है। क्योंकि बहुत सारी ऐक्ट्रेस अपना रंग बदल चुकी हैं लेकिन मुझे यह कॉन्सेप्ट कभी समझ में ही नहीं आया। ईशा गुप्ता ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई अपनी नाक की सर्जरी करवा रहा है। अगर उसे अच्छी नहीं लग रही है तो ठीक है। लेकिन मुझे अपनी बॉडी या फीचर्स से कोई दिक्कत नहीं है। कई बार ऐसा भी हुआ कि लोगों ने मुझसे कहा- तुमको कभी भी क्यूट लड़कियों वाले रोल नहीं मिलेंगे। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही मुझे ऐसे रोल चाहिए लेकिन ऐसा कम से कम मेरे रंग के कारण तो मत कहो।